

राजस्थान सरकार
राजस्व बृहप-६ विभाग

क्रमांक-प० । ४८ । ५ राज-६/०५ / १६

जयपुर, दिनांक:- २६.५.२००५

अधिसूचना

राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, १९५६ द्वारा राजस्थान अधिनियम संख्या १५ वर्ष १९५६ में संपादित था जो २६० को उपर्याका ५।५ के बारे में ब्रह्मण्ड ५।५ के बारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार एवं देशी है कि राजस्थान भू-राजस्व ५ रुकूलों, कालौजो, चितिल्लालयों, भृशिलालयों एवं अन्य लोकोपयोगों भवन नियमणि हेतु अधिकारित राजकीय कृषि भूमि का आवंटन ५ नियम, १९६३ के नियमों में प्रतिब्रिधित भूमि/आनन्दीय उच्च न्यायालय द्वारा निर्देशित जल संग्रहण हेतु प्रतिब्रिधित भूमि एवं अन्य नियमों या अधिनियमों में प्रतिब्रिधित भूमियों को छोड़कर राजकीय विभागों को उक्त नियमों के तहत लोकोपयोगों प्रयोगम् हेतु उक्त नियमों के नियम २ में निर्धारित आवंटित होने वाली अधिकतम सामात तक अधिकारित राजकीय कृषि भूमि के आवंटन को राज्य सरकार को शक्तियों का प्रयोग समर्त जिला कलेक्टरों द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के भीतर दिनांक ३।०८।२००५ तक किया जावेगा।

राज्यपाल के आदेश से

५ ब्र० एस० मौणा ५
शासन उप अधिक, राजस्व

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचार्थी एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

१. निजीसचिव, मा० मुख्य मंत्री महोदया।
२. लिशिष्ठ सहायक, मा० राजस्व मंत्री महोदय।
३. निजी सचिव, प्रमुख शासन सचिव/राजस्व सचिव, राजस्व।
४. समर्त सभागांय आयुक्त, राज०।
५. समर्त जिला कलेक्टर, राज०।
६. निक्षेपक, राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर को राजस्थान राष्ट्रपत्र के अलाधारण विक्रेताक दिन २६.५.०५ में प्रकाशित।
७. निक्षेपक, आर. आर. टो. आई, अमेर।
८. निक्षेपक, जनसम्पर्क विभाग जयपुर।
९. निक्षेपक, जनसम्पर्क विभाग जयपुर।
१०. समर्त उप शासन सचिव, राजस्व विभाग।
११. रक्षित पत्रावलो।

उप शासन सचिव